


23 $\frac{9}{25}$

पतावली पेरा ड/ आजी वपील उपाधिग है।
आजी वपील की वस्तु सुनी गरी वस्तु के
दोस्त निवेदन बिधा वि मूल वाद में आपाधिक
दिही जाती बेगरी है। मूल वाद के विताला
तक रेडर एं मोवे वि मजाहिरी बनाये रखी
जाने व अन्य बिही को रहने वप वशीस
नही बने का विवेक बिधा वस्तु पर
मगत। विपु गपु पतावली का अकली पुन विपु
गपु मूल उकरा में अक आपाधिक विही
जाती की गरी। दिनेक १५/२०२५ को रेडर
एं मोवे की मजाहिरी बनाये रखने
व अन्य बिही को वप वशीस नही
करने का अन्तरीम लफजान जाती बिधा गपु

उपरोक्त आदेशों को मूल वाद के विस्तारण
तक अन्वयित किया जाता है।

अतः आदेश दिया जाता है कि मूल वाद
के विस्तारण तक अन्वयित किया जाता है
परन्तु मजदूरों द्वारा 38 में
कुल बिल 25 अथवा 4.29 है मूल पर
रेफरेंस एवं मोब की प्रकाशित की जाये
रखे। उक्त पर एउ दूसरे के वल्ले
में दरपलन वाजी नही करे।

प्राप्त की कुल सुभाह ठीक नम्बर के
कम है।


सहायक कलक्टर
(एस.जी.ओ.) रायपुर